मीठे2 बच्चे इस (बाबा) सहित ; क्योंकि शिव तो अलग है ना।शिवबाबा सबको कहते हैं जो भी देहधारी सबकी दिल लेने वाला हूँ।बच्चों की दिल लेने वाला हूँ।बहुत करके मनुष्य सुख–शांति मांगते हैं, चाहते हैं।तुम बच्चों के सुख भी मिलता है ,शांति भी मिलती है।तुम बच्चे जानते हो कि शिवबाबा कल्प2 आते हैं सदा सुखी बनाने।पवित्रता सुख–सम्पत्ति सब कुछ देने आये हैं 21जन्मों के लिए।कल्प2 संगमयुग पर बाबा आते हैं। पवित्रता सिखा रहे हैं।सो भी बहुत सहज। विकार के लिए ही दुनियां में बहुत मारी है।कई ऐसे सूपनखायें भी बहुत तंग करती हैं।ऐसी रिपोर्ट्स भी बहुत आती है।बाप को याद करना है।कोई माथा नहीं टेकना है।यह भी कहते हैं बाबा को बहुत याद करता हूँ।बच्चे को भी यही पुरुषार्थ सिखाते हैं कि ऐसे मोस्ट बिलवेड बीप को अच्छी रीति याद करो।बाप आते भी इस तन में हैं।यह त्रिमूर्ति बदल नहीं सकती है।तुम बच्चे जानते हो कि बाप आये हैं हम बच्चों के वापस ले जाने लिए।यहां यह शरीर तमोप्रधान 5तत्वों का बना हुआ है।इसको यहीं छोड़ जाना है।बाप आकर धैर्य देते हैं कि तुमको मैं साथ ले जाने आया हूँ।शिवबाबा को तो खांसी नहीं होती है ना।उनके आर्गन्स को होती है।फिर भी खुशी तो रहती ही है ना।यह कर्मभोग तो रहेंगे।बाकी थोड़े ही दिन हैं।आधा कल्प के सभी दुःखों से अभी हम छूटते हैं।सब दुःखों से छूटने की एक ही दवा है।एक अमृतधारा होता है ना।तुमको अभी बीप से ज्ञान अमृतधारा (देते) हैं जिससे सभी दुःख छंट जावेंगे।बाप ही आकर हमको राजयोग सिखाते हैं।बाप के याद करने में माया विघ्न बहुत डालती है।भक्तिमार्ग में कितनी चरयाई लगी हुई है।यहां तो भक्तिमार्ग की कोई बात ही नहीं है।तुम जानते हो बाबा बाप है।आये हैं वर्सा देने लिए।कल्प2 शिवजयंती आती है।उनका पार्ट कल्प2 का नामी–ग्रामी है। त्यौहार सभी अभी के हैं।बाप आकर रावण को सदा के लिए खलास कर देते हैं।सत, त्रेता में रावण होता ही नहीं है।एक2 बात जो कोई भी तुमको समझाई जाती है यह कोई भी शास्त्रों में नहीं है।तुम बच्चे जानते हो शिवबाबा ने ब्रह्मा द्वारा हम बच्चों को गोद में लिया है।खुशी से गोद में जाते हो।तुम बच्चे ही समझते हो कि बाबा हमको बहुत साहुकार बनाने वाला है।उसकी ही गोद ली है।बाबा विश्व का मालिक बनाते हैं ना।तुम बच्चों को यह देखते हुये भी बुद्धि बाप की तरफ तथा वर्से की तरफ लगी हुई हो।तुम सब श्रीमत पर नई दुनियां की स्थापना कर रहे हो।जितने जास्ती .....बनावेंगे उतना ही जास्ती पद पावेंगे।जांच करनी होती है कि मेरे में कोई अवगुण तो नहीं है।अब तुम संगमयुग पर बैठे हो।अभी के ही पुरुषार्थ अनुसार ही फिर सतयुग में पद पावेंगे।बहुत मीठा बनना है।कोई को तंग नहीं करना है।रोज अपना पोतामेल देखो कि कोई को दुःख तो नहीं दिया है।कोई बुरा काम तो नहीं किया है।जितना पुरुषार्थ का चार्ट रखेंगे उतना ही उन्नति को पावेंगे।तुम बच्चों को दैवी गुण धारण करने हैं ; क्योंकि तुम जानते हो कि तुमको ऐसा (ल.ना.) बनना है।अगर कोई को धन है तो हेल्थ नहीं है तो भी कोइ काम का नहीं है।किसको हेल्थ है ,वैल्थ नहीं है तो भी कोई काम का नहीं है।मनुष्य दान–पुण्य करते हैं एक जन्म के लिए।यहां तुमको 21जन्मों के लिए मिलता है।मैं तुमको युक्ति बताता हूँ कि.... सफल करो। अब ही तुम्हारे पैसे सफल होंगे।इस बाबा ने भी क्या किया?सब कुछ दे दिया।....दिन में विश्व की बादशाही मिलती है।तो फालो करना चाहिए ना।बाबा कोई अपने लिए महल आदि थोड़े ही बनवाते हैं।जो कुछ भी है बच्चों के लिए है।कल्प2 यह राजधानी स्थापन होती है।इनको कोई साकार गुरू नहीं है जो इनको यह सिखाता हो।यह तो बाप आकर खुद सिखाते हैं।भगवानोवाच बच्चों प्रति।तुमको सुनाता हूँ।हम भी सुन लेते हैं।पहले तो तुम सुनते हो या हम?निमित्त बने हैं इन द्वारा तुमको सुनाने के। तो मैं सुन लेता हूँ ; क्योंकि नजदीक हूँ।ओम।